उजड़ी बगिया महका दो भजन लिरिक्स

उजड़ी बगिया महका दो,
मन की चिड़िया चहका दो,
चरणों में ज़रा जगह दो,
दिल से श्याम लगा दो,
हारे के सहारे,
ओ हारी बाज़ी जिता दो,
उजड़ी बगिया महका दों।bd।

हुकुम बजाऊंगा,
दर ना छोड़ जाऊँगा,
आठों याम चाकरी मैं,
श्याम नाम गाऊंगा,
आया दरबार नया,
नौकर लिखा दो,
हारे के सहारे,
ओ हारी बाज़ी जिता दो,
उजड़ी बगिया महका दों।bd।

महके दरबार तेरा,
खुशबू मैं बन जाऊं,
क्या क्या जतन करूँ,
दास तेरा हो जाऊं,
बागबा मेरी बगिया को,
अपना बना लो,
हारे के सहारे,
ओ हारी बाज़ी जिता दो,
उजड़ी बगिया महका दों।bd।

नसीबा संवारा बिगड़ा,
लाखो को तार दिया,
मोरछड़ी का झाड़ा,
भगतों पे वार दिया,
आया 'सुरेश' दर पे,
हाथ बढ़ा दो,
हारे के सहारे,
ओ हारी बाज़ी जिता दो,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

उजड़ी बगिया महका दो,
मन की चिड़िया चहका दो,
चरणों में ज़रा जगह दो,
दिल से श्याम लगा दो,
हारे के सहारे,
ओ हारी बाज़ी जिता दो,
उजड़ी बगिया महका दों।bd।

Singer – Vijay Puri Goswami

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com